

नामांक

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

No. of Questions – 11
No. of Printed Pages – 8

S-74-Sindhi (T.L.)

माध्यमिक परीक्षा, 2017

SECONDARY EXAMINATION, 2017

सिन्धी

SINDHI

(Third Language)

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

نوٹ : سڀ سوال ڪرڻ ضروري آهن.

نوٹ : सभेई सुवाल करणु जरुरी आहिन ।

S-74-Sindhi (T.L.)

[Turn over

1. हेठियें टुकिरे खे ध्यान सां पढी डिनल सुवालनि जा जवाब लिखो : 5

1+2+2

हिन्दुस्तान जे गुलिस्तान में सिन्धियत बि हिकु विचित्र, निरालो ऐं सुहिणो गुलु आहे, जंहिं खे बियुनि क्रौमुनि वांगुरु पंहिंजी अलगि भाषा, लिपि, रीतियूं रस्मूं, रवाज, पहराउ, रहिणी ऐं करिणी आहे। अजु बि दुनिया सिन्धू घाटीअ जी सभ्यता जी महानता जूं सुर्कियूं भरे थी। भारत त छा पर सजे विश्व खे उनते नाज आहे। हिन्दु ते संदसि नालो बि सिन्धु तां ई पियो। वेद बि सिन्धू नदीअ जे किनारे ते लिखिया विया। सिन्धु ऋषियुनि, मुनियुनि, साधुनि, संतनि, सूफियुनि ऐं सालिकनि जो घर थी रही आहे। पोइ सिन्धु सगोरी छो न दुनिया लाइ रोशन मुनारो थीन्दी? अहिड़ी महान सिन्धी सभ्यता खे ई असीं “सिन्धियत” जे नाले सां सडियूं था। सिन्धियत, सिन्धियुनि जी भाषा, साहित्य, रहण-सहण, खाइण-पीअण, बोलचाल, गाइण-बजाइण ऐं रीतियुनि-रस्मुनि जो कुलु जोडु आहे।

- (i) मथिएं टुकिरे जो सिरो लिखो।
- (ii) सिन्धियत छा खे थो चइजे?
- (iii) मथिएं टुकिरे जो सारु लिखो।

2. कंहिं बि हिकु विषय ते अटिकल 200 लफ़जनि में मज़मून लिखो : 10

- (i) विद्यार्थी जीवन ऐं अनुशासन
- (ii) भारत में सफाई अभियान
- (iii) मुंहिंजो सुन्दर सपनो
- (iv) भारत में तकनीकी विकास

3. बुक बैंक मां किताब वठण लाइ पंहिंजे प्रिंसीपल खे दरखास्त लिखो। 5

या

पंहिंजे नंढे भाउ कमल खे खत जरिये समझाणी डियो त हू पढाईअ सां गडु रांदियुनि में बि बहिरो वठे।

4. तवहां जे स्कूल में हेमू कालाणी जयन्ती मल्हाइण जी रिपोर्ट लिखो। 5

S-74-Sindhi (T.L.)

5. (i) सिप्रत छा खे थो चइजे ? उनजा घणा क्रिस्म आहिनि ? नाला लिखो। 15
- (ii) अददु बदलियो । (के बि टे) 5+3+2+5
- घोड़ा, ताला, नियाणी, जगहि
- (iii) जिन्स बदलियो । (के बि ब)
- मासड़, राजा, साली, मोर
- (iv) हेठियनि इस्तलाहनि जी माना लिखी जुमले में कम आणियो। (के बि पंज)
- (i) हवाई किला अडणु (ii) खिखो विखो थियणु
- (iii) पाणी पाणी थियणु (iv) पना कारा करणु
- (v) हथ पेर हलाइणु (vi) दिलि वठणु

6. को बि हिकु हवालो लिखो : 6
- (i) “असीं दुखी सिंधियुनि जे लाइ कुझु करियूं।”
- (ii) “हिंदाणा हेडा सारा वलि में था पचनि ऐं ब्रेर हेडा दरखत में।”

7. ज़ेठी सिपाहीमलाणी लोकप्रिय कीअं बणी? अटिकल 100 लफ़ज़नि में लिखो। 6

या

‘टुटल जंजीरूं’ लेख ज़रीए कृष्ण खटवाणीअ हिक छोकिरीअ जे हिमत जो बयानु कीअं कयो आहे?

8. हेठियनि मां किनि बि पंजनि सुवालनि जा जवाब अटिकल 20 लफ़ज़नि में डियो। 10
2+2+2+2+2
- (i) आफीसरनि जे मूड जी अहिमियत कीअं आहे?
(ii) वापारियुनि मन ई मन में कहिड़ो फैसिलो कयो ?
(iii) अंग्रेज़नि बम्बई प्रेज़ीडंसी खे कहिड़नि चइनि हिसनि में विरिहायो?
(iv) बहिश्त जे बाग में गुण केर था गाईनि ?
(v) आदम खे गुमिराहु कंहिं कयो?
(vi) 'नानी, सुघडु सियाणी !' कहाणीअ मां कहिड़ी सिख्या थी मिले?
9. हेठियें बैत जो मतलब लिखो : 6
- कजो कुर्बु साथी, मरण बाद मुंहं ते
बू टे बूदूं छंडिजोमि सिंधूअ जो पाणी !
या
सुता ! उथी जागु, निंड न कजे एतिरी
सुलतानी सुहाग, निंडूं कंदे न मिले !
10. 'बूई पोटा हिक ड़ाडे जा' पाठ जे लेखक "लालचंद अमरडिनोमल जगत्याणी" जो परिचय अटिकल 100 लफ़ज़नि में लिखो। 6
- या
- 'गज़ल' जे कवि "कृष्ण राही" जो परिचय अटिकल 100 लफ़ज़नि में लिखो।
11. कंहिं बि हिक बैत जो सारु अटिकल 100 लफ़ज़नि में लिखो : 6
- (i) 'पखीअ जी पुकार' (श्री किशनचंद 'बेवस')
(ii) 'छा थियो !' (मिर्ज़ा कलीच बेग)

1. هيٺئين ٽڪري کي ڌيان سان پڙهي سوالن جا جواب لکو : 5

1+2+2

هندستان جي گلستان ۾ سنڌيت به هڪ وچتر، نرالو ۽ سُهڻو ٿل آهي، جنهن کي ٻين قومن وانگر پنهنجي الڳ پاشا، لڀي، رينڊيون، رسمون، رواج، پهرائ، رهڻي ۽ ڪرڻي آهي. اڄ به دنيا سنڌو گهاٽيءَ جي سڀيتا جي مهاندا جون سُڪيون ڀري ٿي. ڀارت نه ڇا پر سڄي وشو کي اُن تي ناز آهي. هند تي سندس نالو به سنڌ تان ئي پيو. ويد به سنڌو نديءَ جي ڪناري تي لکيا ويا. سنڌ رشين، مڻين، ساڌن، سنن، صوفين ۽ سالڪن جو گهر ٿي رهي آهي. پوءِ سنڌ سڳوري ڇو نه دنيا لاءِ روشن مَنارو ٿيندي؟ اهڙي مهان سنڌي سڀيتا کي ئي اسين 'سنڌيت' جي نالي سان سڏيون ٿا. سنڌيت - سنڌين جي پاشا، ساهتي، رهڻ-سهڻ، ڪاٺ-پيٺڻ، ٻول-ڇال، ڳائڻ -وڃائڻ ۽ ريتين-رسمن جو ڪل جوڙ آهي.

(i) مٿئين ٽڪري جو سِرو لکو.

(ii) سنڌيت ڇا کي تو چئجي؟

(iii) مٿئين ٽڪري جو سارُ لکو.

2. ڪنهن به هڪ وشبه تي اٽڪل 200 لفظن ۾ مضمون لکو : 10

(i) وديارتي جيون ۽ انوشاسن

(ii) ڀارت ۾ صفائي آڀيان

(iii) منهنجو سندر سڀنو

(iv) ڀارت ۾ ٽڪنيڪي وڪاس

3. ٻُڪ بئڪ مان ڪتاب وٺڻ لاءِ پنهنجي پرنسيپل کي درخواست لکو. 5

يا

پنهنجي ننڍي ڀاءُ ڪمل کي خط ذريعي سمجهاڻي ڏيو ته هو پڙهائيءَ سان گڏ راندين ۾ به بهرو وٺي.

4. توهانجي اسڪول ۾ هيٺو ڪالائي جيئني ملهائڻ جي رپورت لکو. 5

S-74-Sindhi (T.L.)

[Turn over

- 15 (i) صفت ڇا ڪي ٿو ڇڻجي؟ ان جا گهڻا قسم آهن؟ نالا لکو.
- (ii) عدد بدلايو. (ڪي به ٿي)
- 5+3+2+5 گهوڙا، نالا، نياڻي، جڳهه
- (iii) جنس بدلايو. (ڪي به ٿي)
- ماسٽر، راجا، سالي، مور
- (iv) هيٺين اصطلاحن جي معنيٰ لکي جملي ۾ ڪم آڻيو. (ڪي به پنج)
- (i) هوائي قلعا اڏڻ (ii) ڪو وڪو ٿيڻ
- (iii) پاڻي پاڻي ٿيڻ (iv) پنا ڪارا ڪرڻ
- (v) هٿ پير هلائڻ (vi) دل ونڻ

- 6 ڪوبه هڪ حوالو لکو :
- (i) ”اسين ڏکي سنڌين لاءِ ڪجهه ڪريون.“
- (ii) ”هنداڻا هيڏا سارا ول ۾ ٿا پڇن ۽ پير هيڏا درخت ۾.“

- 6 7. چيني سڀهيملاڻي لوڪپريم ڪيئن بڻي؟ اٽڪل 100 لفظن ۾ لکو.
- يا

’گنل زنجيرون‘ ليک ذريعي ڪرشن ڪتواڻيءَ هڪ چوڪريءَ جي همت جو بيان ڪيئن ڪيو آهي؟

- 10 8. هيٺين مان ڪن به پنجن سوالن جا جواب اٽڪل 20 لفظن ۾ لکو :
- 2+2+2+2+2

- (i) آفيسرن جي موڊ جي اهميت ڪيئن آهي؟
- (ii) واپارين مان ٿي من ۾ ڪهڙو فيصلو ڪيو؟
- (iii) انگريزن بمبئي پريزيڊنسي کي ڪهڙن چئن حصن ۾ ورهايو؟
- (iv) بهشت جي باغ ۾ گڻ ڪير ٿا ٻڌائين؟
- (v) آدم کي گمراه ڪنهن ڪيو؟
- (vi) ’ناني سگهڙ سياڻي‘ ڪهاڻيءَ مان ڪهڙي سڪيا ٿي ملي؟

6 9. هيٺئين بيت جو مطلب لکو :

ڪڇو قرب ساڻي، مرڻ بعد منهن تي
به ٿي بوندون چنڊ جوڙ سنڌوءَ جو پاڻي.

يا

سُٽا! اُٿي جاڳ، ننڊ نه ڪجي ايتري
سُلطاني سُهاڳ، ننڊون ڪندي نه ملي.

6 10. 'بئي پوٽا هڪ ڏاڏي جا' پان جي ليڪ "لعلچند امرڏنومل جيتياڻيءَ" جو پريچيه اٽڪل

100 لفظن ۾ لکو.

يا

'غزل' جي ڪوي "ڪرشن راهي" جو پريچيه اٽڪل 100 لفظن ۾ لکو.

6 11. ڪنهن به هڪ بيت جو سار اٽڪل 100 لفظن ۾ لکو :

(i) 'پڪيءَ جي ڀُڪار' (شري ڪشنچند 'بيوس')

(ii) 'چا ٿيو!' (مرزا قليچ بيگ)

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

S-74-Sindhi (T.L.)